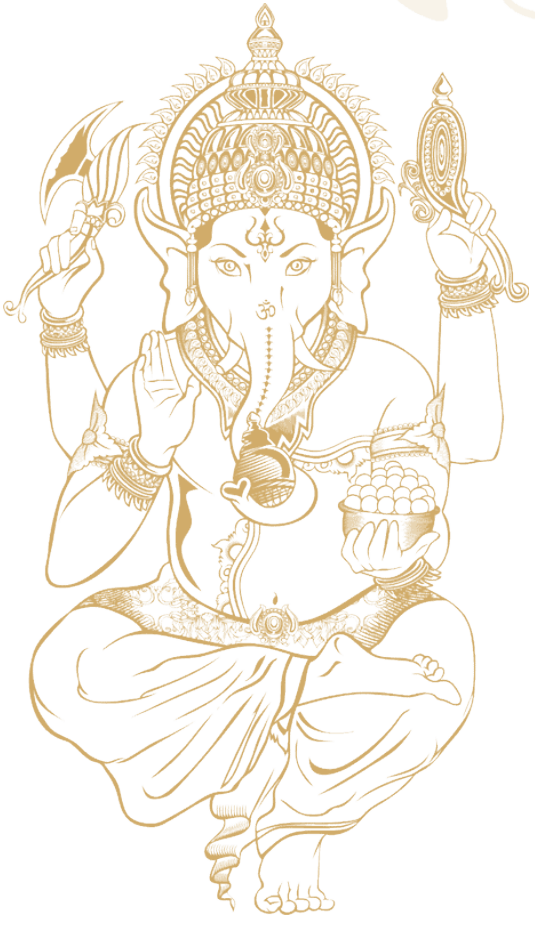

# Divyanshi

30 Mar 2014

09:50 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119704904

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **30/03/2014** |
| दिन | रविवार |
| **जन्म समय** | **21:50:00 घंटे** |
| इष्ट | 38:16:48 घटी |
| **स्थान** | **Jodhpur** |
| राज्य | Rajasthan |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 26:18:00 उत्तर |
| रेखांश | 73:08:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:37:28 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 21:12:32 घंटे |
| वेलान्तर | -00:04:31 घंटे |
| साम्पातिक काल | 09:44:26 घंटे |
| सूर्योदय | 06:31:16 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:53:10 घंटे |
| दिनमान | 12:21:54 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वसन्त |
| सूर्य के अंश | 15:49:30 मीन |
| लग्न के अंश | 25:28:32 तुला |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | तुला - शुक्र |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ०भाद्रपद - 4** |
| नक्षत्र स्वामी | शनि |
| योग | ब्रह्म |
| करण | नाग |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सिंह |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | ञ-- |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मेष |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | तुला | 25:28:32 | 311:23:32 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | बुध | --- |
| सूर्य | | | मीन | 15:49:30 | 00:59:18 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | गुरु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | मीन | 14:30:15 | 14:08:59 | उ०भाद्रपद | 4 | 26 | गुरु | शनि | राहु | सम राशि |
| मंगल | व | | कन्या | 28:15:37 | 00:20:26 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | शनि | शत्रु राशि |
| बुध | | | कुंभ | 23:04:56 | 01:31:00 | पू०भाद्रपद | 1 | 25 | शनि | गुरु | शनि | सम राशि |
| गुरु | | | मिथु | 17:19:00 | 00:04:31 | आर्द्रा | 4 | 6 | बुध | राहु | शुक्र | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | मक | 29:28:21 | 01:02:02 | धनिष्ठा | 2 | 23 | शनि | मंगल | शनि | मित्र राशि |
| शनि | व | | तुला | 28:36:58 | 00:02:40 | विशाखा | 3 | 16 | शुक्र | गुरु | शुक्र | उच्च राशि |
| राहु | व | | तुला | 04:19:53 | 00:01:20 | चित्रा | 4 | 14 | शुक्र | मंगल | शुक्र | मित्र राशि |
| केतु | व | | मेष | 04:19:53 | 00:01:20 | अश्विनी | 2 | 1 | मंगल | केतु | चंद्र | मित्र राशि |
| हर्ष | | | मीन | 18:15:36 | 00:03:26 | रेवती | 1 | 27 | गुरु | बुध | बुध | --- |
| नेप | | | कुंभ | 12:15:16 | 00:01:59 | शतभिषा | 2 | 24 | शनि | राहु | शनि | --- |
| प्लूटो | | | धनु | 19:27:41 | 00:00:28 | पूर्वाषाढ़ा | 2 | 20 | गुरु | शुक्र | राहु | --- |
| दशम भाव | | | कर्क | 29:44:06 | -- | आश्लेषा | -- | 9 | चंद्र | बुध | शनि | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:30

## लग्न-चलित

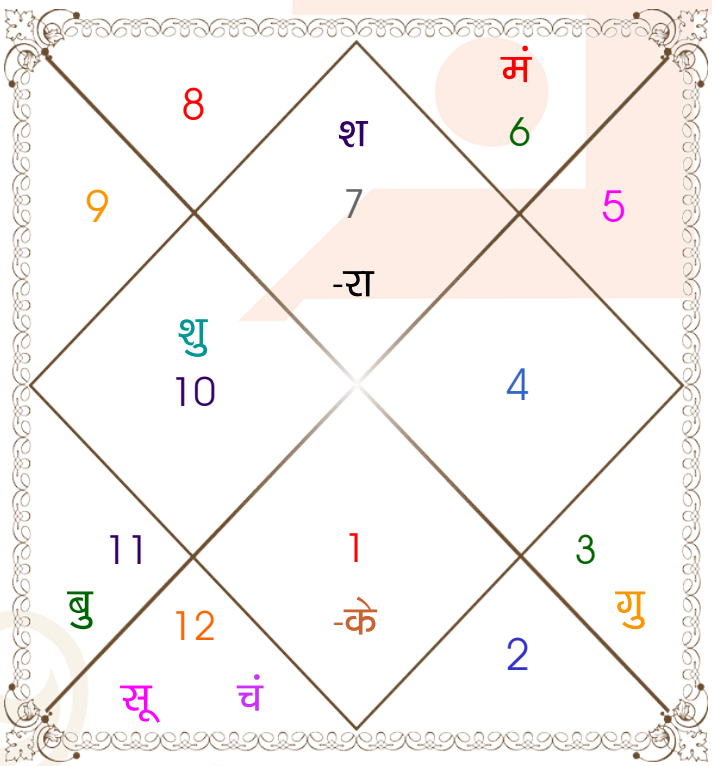


## चन्द्र कुंडली

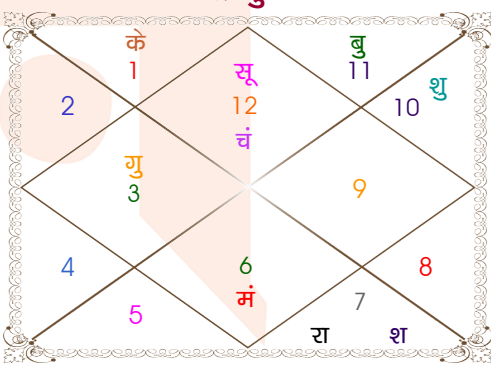


## नवमांश कुंडली

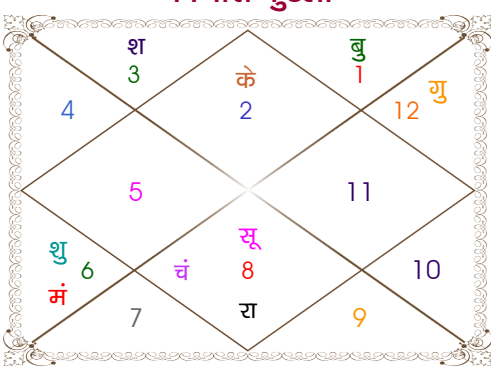

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 0 मास 29 दिन

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 30/03/2014 | | 29/04/2017 | | 29/04/2034 | | 29/04/2041 | | 29/04/2061 | |
| 29/04/2017 | | 29/04/2034 | | 29/04/2041 | | 29/04/2061 | | 30/04/2067 | |
| | 00/00/0000 | बुध | 26/09/2019 | केतु | 25/09/2034 | शुक्र | 29/08/2044 | सूर्य | 17/08/2061 |
| | 00/00/0000 | केतु | 22/09/2020 | शुक्र | 26/11/2035 | सूर्य | 29/08/2045 | चंद्र | 15/02/2062 |
| | 00/00/0000 | शुक्र | 24/07/2023 | सूर्य | 01/04/2036 | चंद्र | 30/04/2047 | मंगल | 23/06/2062 |
| | 00/00/0000 | सूर्य | 29/05/2024 | चंद्र | 31/10/2036 | मंगल | 29/06/2048 | राहु | 18/05/2063 |
| | 00/00/0000 | चंद्र | 29/10/2025 | मंगल | 30/03/2037 | राहु | 29/06/2051 | गुरु | 05/03/2064 |
| | 00/00/0000 | मंगल | 26/10/2026 | राहु | 17/04/2038 | गुरु | 27/02/2054 | शनि | 15/02/2065 |
| | 30/03/2014 | राहु | 14/05/2029 | गुरु | 24/03/2039 | शनि | 29/04/2057 | बुध | 22/12/2065 |
| राहु | 17/10/2014 | गुरु | 20/08/2031 | शनि | 02/05/2040 | बुध | 28/02/2060 | केतु | 29/04/2066 |
| गुरु | 29/04/2017 | शनि | 29/04/2034 | बुध | 29/04/2041 | केतु | 29/04/2061 | शुक्र | 30/04/2067 |

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 30/04/2067 | | 29/04/2077 | | 29/04/2084 | | 30/04/2102 | | 30/04/2118 | |
| 29/04/2077 | | 29/04/2084 | | 30/04/2102 | | 30/04/2118 | | 00/00/0000 | |
| चंद्र | 28/02/2068 | मंगल | 25/09/2077 | राहु | 10/01/2087 | गुरु | 17/06/2104 | शनि | 03/05/2121 |
| मंगल | 28/09/2068 | राहु | 14/10/2078 | गुरु | 05/06/2089 | शनि | 30/12/2106 | बुध | 11/01/2124 |
| राहु | 30/03/2070 | गुरु | 20/09/2079 | शनि | 10/04/2092 | बुध | 06/04/2109 | केतु | 19/02/2125 |
| गुरु | 30/07/2071 | शनि | 28/10/2080 | बुध | 29/10/2094 | केतु | 13/03/2110 | शुक्र | 21/04/2128 |
| शनि | 27/02/2073 | बुध | 26/10/2081 | केतु | 16/11/2095 | शुक्र | 11/11/2112 | सूर्य | 03/04/2129 |
| बुध | 30/07/2074 | केतु | 24/03/2082 | शुक्र | 16/11/2098 | सूर्य | 30/08/2113 | चंद्र | 02/11/2130 |
| केतु | 28/02/2075 | शुक्र | 24/05/2083 | सूर्य | 11/10/2099 | चंद्र | 30/12/2114 | मंगल | 12/12/2131 |
| शुक्र | 28/10/2076 | सूर्य | 29/09/2083 | चंद्र | 12/04/2101 | मंगल | 06/12/2115 | राहु | 31/03/2134 |
| सूर्य | 29/04/2077 | चंद्र | 29/04/2084 | मंगल | 30/04/2102 | राहु | 30/04/2118 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 1 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।